डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा
बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना के राजदूत महामहिम मुहम्मद चेंगीच का रचना-पाठ आयोजित

नई दिल्ली 2 जून 2023; साहित्य अकादेमी द्वारा आज साहित्य मंच कार्यक्रम के अंतर्गत भारत में बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना के माननीय राजदूत महामहिम मुहम्मद चेंगीच के रचना-पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने उनका स्वागत अंगवस्त्रम और अकादेमी की पुस्तकें भेंट करके किया।

अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि भारत की तरह ही बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना की संस्कृति भी विविधतापूर्ण है और वहाँ का लोक साहित्य भी हमारी तरह ही समृद्ध है। साहित्य अकादेमी अपने सांस्कृतिक आदान-प्रदान योजना के अंतर्गत ऐसे आयोजनों से एक दूसरे को और बेहतर जानने समझने के लिए एक मंच प्रदान करती है। उन्होंने महामहिम का परिचय देते हुए कहा कि भारत के संगीत, साहित्य और संस्कृति के प्रति रुचि रखने वाले मुहम्मद चेंगीच भारत को और नज़दीक से समझने के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं। उनकी कविताएँ भी भारत की अलग-अलग विशेषताओं और उनकी छवियों को चित्रित करती हैं।

इस अवसर पर विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री माननीया मीनाक्षी लेखी द्वारा भेजा गया शुभकामना संदेश भी पढ़ा गया। महामहिम ने अपनी तीन कविताएँ प्रस्तुत कीं, जिनके शीर्षक थे सांगली रिवर टेल, अफ्रीका आदि। इस दौरान बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना के महान् कवि मक दिज़दार के प्रसिद्ध काव्य 'कामेनी स्पावॉच' के हिंदी अनुवाद 'ख़ाक में सूरतें' से भी कुछ कविताएँ प्रस्तुत की गईं।

कार्यक्रम के अंत में, उपस्थित श्रोताओं ने उनसे बोस्निया एवं हर्ज़ेगोविना के सामाजिक,सांस्कृतिक और वहाँ की साहित्यिक पत्रिकाओं तथा संस्थाओं के बारे में अनेक प्रश्न पूछे। भाषा के सवाल का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि उनकी भाषा और संस्कृत भाषा में बहुत सी समानताएँ हैं। कार्यक्रम में अनेक भारतीय भाषाओं के लेखक उपस्थित थे।

के. श्रीनिवासराव